तापमान
अधिकतम 24 .4 डिग्री
न्यूनतम 13 .6 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, गुरुवार 19 फरवरी 2026

11 किलोहड़द के श्रीनिवास को कागजों में बना दिया करोड़पति

12 जेईई मेन्स : प्रथम प्रयास में चमका मोई का दिव्यांश राणा

खबर संक्षेप

मोबाइल व पैसे छीनने के आरोपी गिरफ्तार

गोहाना। थाना सदर गोहाना की पुलिस ने मोबाइल फोन व रुपये छीनने की घटना मे संलिप्त तीन आरोपितों को प्रोड्क्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी अमित उर्फ गोल्डी पुत्र अनिल निवासी गोहाना, मुकेश उर्फ रवि पुत्र दिनेश व हरीश उर्फ हर्ष दोनों गांव गढ़ी सराय नामदार खां के निवासी हैं। 8 नवम्बर 2025 को गांव खानपुर कलां निवासी वकील पुत्र सीनू ने थाना सदर गोहाना शिकायत दी थी। वह 5 नवंबर 2025 को गोहाना अपनी गाडी का काम करवाने के लिए आया था। गोहाना से वापस अपने गांव वापस जाते समय वह लघु शंका करने के लिए गाड़ी से नीचे उतरा था। उसकी दौरान एक स्वीफ्ट गाड़ी में करीब चार-पांच युवक आए और उससे 2 मोबाइल फोन और दो हजार रुपये छीन ले गए थे। पुलिस ने इस घटना में संलिप्त उक्त तीनों आरोपितों को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से छीने गए दो मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त गाड़ी बरामद कर ली गई। अदालत ने आरोपियों को दो दिन के रिमांड पर भेजा है।

युवक की पैंट की जेब से मिला पिस्तौल, पकड़ा

गोहाना। क्राइम यूनिट गोहाना की पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी की घटना में संलिप्त आरोपित को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपित जिला सोनीपत के गांव उद्देशीपुर निवासी अमित उर्फ कातिया पुत्र राजबीर है। पुलिस को खुफिया जानकारी मिली कि अमित उर्फ कातिया के पास अवैध हथियार है। पुलिस ने आरोपित को गोहाना-खरखौदा मार्ग से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तलाशी के दौरान उसी पैंट की जेब से एक देशी पिस्तौल बरामद किया। पुलिस ने आरोपित को न्यायालय में पेश करके उसके आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

चरस तस्कर गिरफ्तार कुल्लू का रहने वाला

सोनीपत। जिले की क्राइम यूनिट कुंडली पुलिस टीम ने मादक पदार्थ तस्करी की एक पूर्व की घटना में संलिप्त तीसरे आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित जगतराम पुत्र रूपचंद निवासी कुल्लू, हिमाचल प्रदेश बताया गया है। पुलिस के अनुसार 14 फरवरी 2026 को क्राइम यूनिट कुंडली की टीम दिल्ली-पानीपत जीटी रोड मुरथल फ्लाईओवर के नीचे गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि मनजीत पुत्र सुरेश और विजय पुत्र कृष्ण निवासी चुलयाना, जिला रोहतक, मुरथल-गोहाना बाईपास पर जेड़ी कैफे के पास गाड़ी में चरस लेकर खड़े हैं। पुलिस की तलाशी के दौरान मनजीत के पास से 1 किलो 154 ग्राम चरस और विजय के पास से 205 ग्राम चरस बरामद कर केस दर्ज किया था।

खेत में कीटनाशक का छिड़काव करते किसानों की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में मौत

■ शहजादपुर और जाहरी में अलग-अलग हादसे, कीटनाशक चढ़ने से खेत में अचेत होकर गिरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिले के गांव शहजादपुर और जाहरी में गेहूं की फसल में कीटनाशक का छिड़काव करने के दौरान दो किसानों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दोनों किसान खेतों में कीटनाशक का छिड़काव कर रहे थे, इसी दौरान उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश होकर गिर पड़े। स्वजनों ने उन्हें निजी अस्पतालों में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद स्वजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव शहजादपुर निवासी शिवकुमार (40) मंगलवार को अपने खेत में गेहूं की फसल में कीटनाशक का छिड़काव कर रहे थे।

छिड़काव के दौरान उन्हें अचानक चक्कर आने लगे और उनकी हालत बिगड़ गई। परिजनों और ग्रामीणों ने उन्हें तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उपचार शुरू किया। बावजूद इसके मंगलवार देर रात शिवकुमार की मौत हो गई।

इसी तरह गांव जाहरी निवासी कृष्ण (46) भी मंगलवार को अपने खेत में गेहूं की फसल में कीटनाशक का छिड़काव कर रहे थे। बताया जा रहा है कि छिड़काव के दौरान वे भी कीटनाशक के प्रभाव में आ गए और उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई। स्वजनों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उनकी भी देर रात मौत हो गई।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे, पुलिस ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलने पर थाना सदर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। सदर थाने के जांच अधिकारी विकास कुमार ने बताया कि दोनों किसानों के शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है और शव स्वजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि किसानों की मौत किस प्रकार के कीटनाशक के प्रभाव से हुई।

बिना मास्क, दस्ताने व अन्य सुरक्षा उपकरणों के बिना खेत में उतर रहे

ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में कीटनाशक छिड़काव के दौरान सुरक्षा उपायों का अभाव अक्सर किसानों के लिए घातक साबित हो रहा है। अधिकतर किसान बिना मास्क, दस्ताने और अन्य सुरक्षात्मक उपकरणों के ही कीटनाशक का छिड़काव करते हैं, जिससे जहरीले रसायनों का सीधा प्रभाव शरीर पर पड़ता है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार कीटनाशक में मौजूद जहरीले रसायन त्वचा और श्वसन तंत्र के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे चक्कर, उल्टी, बेहोशी और गंभीर स्थिति में मौत तक हो सकती है। विशेषज्ञों ने किसानों से अपील की है कि कीटनाशक छिड़काव के दौरान मास्क, दस्ताने और पूरे कपड़ों का उपयोग करें।

सुभाष स्टेडियम में अधर में लटके बहुउद्देशीय भवन निर्माण को जल्द लगेंगे पंख

खिलाड़ियों के लिए बैडमिंटन कोर्ट कुश्ती व कबड्डी के लिए हॉल बनेंगे

■ 5.41 करोड़ का रिवाइज बजट तैयार ■ छात्रावास व आधुनिक जिम की भी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गोहाना रोड स्थित सुभाष स्टेडियम में 5 साल से अधर में लटके बहुउद्देशीय भवन के निर्माण को जल्द पंख लगेंगे। फिलहाल भवन का निर्माण 3 साल से राशि के अभाव में अधर में लटका हुआ है। लोक निर्माण विभाग भवन के निर्माण कार्य को पूरा करवाने के लिए कुल 5.41 करोड़ रुपये की राशि खर्च करेगा। सितंबर 2025 में भेजे गए रिवाइज बजट को मुख्यालय से मंजूरी मिलने के बाद विभाग ने टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर लिया है। साथ ही कार्य पुनः शुरू करवाने के लिए मुख्यालय से अलॉटमेंट भी प्राप्त कर ली है। माना जा रहा है कि एक माह के अंदर भवन का निर्माण पूरा करवाने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। लोक निर्माण विभाग ने खेल विभाग के सहयोग से वर्ष 2018 में 2.42 करोड़ रुपये की राशि से बहुउद्देशीय भवन का निर्माण कार्य शुरू करवाया था। उस समय भवन निर्माण की लागत 3.25 करोड़ रुपये तय की गई थी। वर्ष 2022 में 2.42 करोड़ रुपये खर्च करने के बाद शेष राशि मिलने में देरी होने के चलते ठेकेदार ने भवन निर्माण कार्य को बीच में ही छोड़ दिया था।

■ 2018 में सुभाष स्टेडियम परिसर में शुरू हुआ था भवन का निर्माण, 2022 में बजट कम पड़ गया

इसके बाद कई बार भवन निर्माण को जल्द पूरा करवाने के प्रयास किए गए, लेकिन समय के साथ लागत राशि बढ़ने के चलते कार्य शुरू नहीं हो पाया। ऐसे में विभाग ने भवन निर्माण व अन्य सुविधाओं को पूरा करने के लिए सितंबर 2025 में कुल 5.41 करोड़ रुपये का रिवाइज बजट तैयार कर मुख्यालय भेजा था। इसके बाद खेल विभाग के निदेशक को 10 अक्तूबर को पत्र भी लिखा गया था, क्योंकि भवन के निर्माण पर राशि का खर्च खेल विभाग की ओर से किया जा रहा है। बजट को मंजूरी मिलने के बाद लोक निर्माण विभाग ने टेंडर व अलॉटमेंट प्रक्रिया को पूरा कर लिया है। केवल अब निर्माण कार्य शुरू होने का इंतजार बाकी है।

सोनीपत। गोहाना रोड स्थित सुभाष स्टेडियम में निर्माणाधीन बहुउद्देशीय भवन।

समय के साथ बढ़ गया निर्माण कार्य का खर्च

अधिकारियों ने बताया कि बहुउद्देशीय भवन के निर्माण के लिए पहले वर्ष 2018 के हिसाब से बजट तैयार किया गया था। अब 7 साल बाद कुछ अन्य कार्यों के साथ आधुनिकता के हिसाब से कार्य करवाने के लिए लागत मूल्य भी बढ़ गया है। भवन में करीब 1.1 करोड़ रुपये से भवन संबंधी, 29.65 लाख से सड़क पर पार्किंग, 14.90 लाख से अन्य कार्य व 1.24 करोड़ से बिजली संबंधी एवं कुछ अन्य कार्य शामिल किए गए हैं। भवन निर्माण के साथ स्टेडियम के जमीनी स्तर को भी ऊंचा कराया जाना है। इस कार्य के लिए 66 लाख रुपये की राशि तय की गई है।

पार्किंग की भी व्यवस्था होगी

बहुउद्देशीय भवन में खेल अधिकारियों के लिए विभिन्न कार्यालयों का निर्माण करवाने के अलावा खिलाड़ियों के लिए जिम व छात्रावास की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही बहुमंजिला भवन में खिलाड़ियों व अधिकारियों के लिए इंडोर जिम की सुविधा होगी। बैडमिंटन कोर्ट के साथ कबड्डी, कुश्ती व बास्केटबॉल जैसे इंडोर खेलों के लिए व्यवस्थाएं कराई जाएगी। भवन के ऊपरी हिस्से पर खिलाड़ियों के लिए छात्रावास का निर्माण करवाया जाएगा। स्टेडियम के मुख्य द्वार से भवन तक सड़क निर्माण व पार्किंग की व्यवस्था कराई जाएगी।

टेंडर व अन्य प्रक्रियाएं पूरी

सुभाष स्टेडियम में निर्माणाधीन बहुउद्देशीय भवन का कार्य पूरा करवाने के लिए रिवाइज बजट को मंजूरी मिलने के बाद टेंडर व अलॉटमेंट प्रक्रिया पूरी कर ली गई। उक्त राशि में से वर्ष 2022 में 2.42 करोड़ रुपये भवन निर्माण पर खर्च हो चुके हैं। शेष राशि से जल्द निर्माण कार्य दोबारा शुरू करवाया जाएगा।
-**भूपिंद्र** , अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सोनीपत

बजट राशि जारी

खेल विभाग की ओर से निर्माणाधीन बहुउद्देशीय भवन का कार्य पूरा करवाने के लिए लोक निर्माण विभाग को शेष बजट की राशि जारी कर दी गई है। काम शुरू करना लोक निर्माण विभाग पर निर्भर है। सुभाष स्टेडियम में भवन का निर्माण पूरा होने से खिलाड़ियों को सुविधा मिल सकेगी।
-**मनोज कुमार**, जिला खेल अधिकारी, सोनीपत

नगर निगम चुनाव को लेकर तैयारियां तेज

मतदाता सूची को लेकर दावे व आपत्तियां सुनेंगे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नगर निगम चुनाव को लेकर वार्डवार मतदाता सूची तैयार करने व प्रारंभिक मतदाता सूची के प्रकाशन उपरांत प्राप्त होने वाले क्लेम एवं आपत्तियां निस्तारण के लिए हरियाणा नगर निगम चुनाव नियम, 1994 की धारा 3 व 4(1) के अंतर्गत संशोधित प्राधिकारी एवं सहायक संशोधित प्राधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

■ अधिकारी सुनवाई के बाद कम्प्यूटराइज मतदाता सूची में संशोधन करेंगे

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सुशील सारवान ने आदेश जारी करते हुए नगर निगम के वार्ड 1 से 4 तक सोनीपत के उपमंडल अधिकारी (नागरिक) को संशोधित प्राधिकारी व सोनीपत तहसीलदार को सहायक संशोधित प्राधिकारी नियुक्त किया है। वार्ड 5 से 9 तक के लिए सोनीपत सहकारी शुगर मिल के प्रबंधक को संशोधित प्राधिकारी व सोनीपत नायब तहसीलदार को संशोधित प्राधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही वार्ड 10 से 14 के लिए हरियाणा राज्य परिवहन विभाग के जिला महाप्रबंधक (जीएम) को संशोधित प्राधिकारी व मुरथल के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को सहायक संशोधित प्राधिकारी नियुक्त किया। वहीं वार्ड 15 से 18 के लिए जिला राजस्व अधिकारी को संशोधित प्राधिकारी व राई के नायब तहसीलदार को सहायक संशोधित प्राधिकारी नियुक्त किया। इसके अलावा वार्ड 19 से 22 के लिए जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी को संशोधित प्राधिकारी व सोनीपत के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को सहायक संशोधित प्राधिकारी नियुक्त किया है।

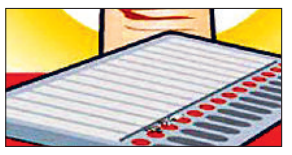

इसके बाद अंतिम प्रकाशन होगा

उपायुक्त ने उपमंडल अधिकारी को निर्देश दिए कि वह नगर निगम सोनीपत की प्रारंभिक एवं अंतिम वार्डवार मतदाता सूची संबंधित अधिकारियों से तैयार करवाकर संशोधित प्राधिकारी के माध्यम से प्रारंभिक व अंतिम प्रकाशन करवाना सुनिश्चित करें। इसके अलावा उन्होंने नगर निगम के संयुक्त आयुक्त को प्रारंभिक व अंतिम वार्ड वाइज मतदाता सूची तैयार करवाने, क्लेम व आपत्ति सक्षम अधिकारियों से सुनवाई के उपरांत कम्प्यूटराइज मतदाता सूची में संशोधन करने के लिए सक्षम अधिकारी नियुक्त किया है।

पुलवामा के शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

सोनीपत। भिगान स्थित हवेली में बुधवार को पुलवामा के शहीदों की स्मृति में मौन धारण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम शहीदों के प्रति कृतज्ञता, राष्ट्रभक्ति व सामाजिक दायित्व का संदेश दिया गया। कार्यक्रम पर्वतारोही एवं सर्टिफाइड माउंटेनियर अजय चौहान को उनके उत्कृष्ट पर्वतारोहण उपलब्धियों के लिए भी सम्मानित किया गया। दलवीर सिंह ने बताया कि अजय चौहान ने न केवल अपने पर्वतारोहण कौशल का परचम लहराया है, बल्कि युवाओं को साहस, अनुशासन व राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा भी प्रदान की है। अजय चौहान देश के तीन प्रमुख हिमनदों

पर तिरंगा फहराकर भारत के साथ सोनीपत का गौरव बढ़ा चुके हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस तरह की उपलब्धियां अधिक युवाओं को पर्वतारोहण जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगी।

बहालगढ़ में फायरिंग करने का आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। थाना बहालगढ़ पुलिस ने फायर कर जानलेवा हमला करने की घटना में संलिप्त एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अरमान उर्फ अंशु निवासी कुमासपुर, जिला सोनीपत बताया गया है। पुलिस के अनुसार 17 फरवरी 2026 को कृष्ण पुत्र रामनारायण निवासी कुमासपुर ने शिकायत दी कि 16 फरवरी की रात करीब साढ़े आठ बजे उसके भतीजे अंशु के साथ दीपक पुत्र धर्मबीर ने शराब के नशे में झगड़ा किया। बाद में रात करीब साढ़े नौ बजे बजे दीपक, अरमान, अंकित, राहुल, सचिन, सन्नी और अन्य व्यक्तियों ने मिलकर शिकायतकर्ता के परिवार पर

हमला कर दिया। इस दौरान सन्नी ने पिस्तौल निकालकर सचिन को दी, जिसने फायर किया, हालांकि गोली किसी को नहीं लगी। घटना का वीडियो बनाने पर आरोपितों ने जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गए। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने अरमान उर्फ अंशु को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

किसानों के लिए ट्रैक्टर का ऑनलाइन ड्रा आज, आठ लोगों को दिए जाएंगे

सोनीपत। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से वर्ष 2025-26 के तहत अनुसूचित जाति के किसानों को ट्रैक्टर पर सब्सिडी प्रदान करने के उद्देश्य से एसबी-89 योजना के अंतर्गत 15 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के जिला उप निदेशक डॉ. पवन शर्मा ने बताया कि योजना की गाइडलाइन के अनुसार पात्र लाभार्थियों का चयन जिलास्तरीय कार्यकारी समिति की ओर से किया जाएगा। समिति की अध्यक्षता उपायुक्त सुशील सारवान की ओर से की जाएगी। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन ड्रा का आयोजन 19 फरवरी को सुबह 9 बजे सभागार, तृतीय तल, लघु सचिवालय में किया जाएगा। विभाग को ऑनलाइन माध्यम से योजना के अंतर्गत 147 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिला के किसानों के लिए 8 ट्रैक्टर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सनपेडा पंचायत का फैसला, चेतावनी बोर्ड लगाए

वाहन चालकों को फैक्ट्रियों के बाहर सड़क पर भारी वाहन खड़ा करना पड़ेगा महंगा, 5100 रुपये जुर्माना लगेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

सनपेडा रोड स्थित फैक्ट्रियों के बाहर सड़क किनारे ट्रक व अन्य भारी वाहनों की अवैध पार्किंग से परेशान ग्राम पंचायत ने सख्त कदम उठाया है। पंचायत ने सड़क पर अवैध रूप से वाहन खड़े कर आवागमन बाधित करने वाले चालकों के खिलाफ जुर्माने का प्रावधान लागू कर दिया है। अब यदि कोई वाहन चालक फैक्ट्री के बाहर सड़क पर अवैध पार्किंग करते हुए पाया गया तो उस पर 5100 जुर्माना लगाया जाएगा।

ग्राम पंचायत की ओर से सरपंच प्रमोद ढाका ने इस संबंध में सड़क किनारे स्पष्ट चेतावनी वाले होर्डिंग भी लगवा दिए गए हैं। होर्डिंग पर अवैध पार्किंग करने पर निर्धारित

गन्नौर। अवैध पार्किंग रोकने के लिए पंचायत द्वारा लगाए गए चेतावनी बोर्ड।

जुर्माने का उल्लेख किया गया है, ताकि वाहन चालकों को पहले से ही नियमों की जानकारी रहे। पंचायत के इस कदम के बाद सड़क पर अव्यवस्थित ढंग से खड़े होने वाले वाहनों की संख्या में कमी आई है और आम लोगों को राहत मिली है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से फैक्ट्रियों के बाहर ट्रकों की कतारें लगने से सड़क संकरी हो जाती थी। इससे स्कूल जाने वाले बच्चों, दोपहिया चालकों और पैदल राहगीरों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता था।

ग्रामीण बोले- कई बार समझा चुके, अब मनमानी सहन नहीं

ग्रामीणों ने बताया कि कई बार जाम की स्थिति भी बन जाती थी और दुर्घटना का खतरा बना रहता था। ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर संबंधित चालकों को समझाने का प्रयास किया और स्वयं मौके पर जाकर अपील भी की, लेकिन मनमानी जारी रही। समस्या के स्थायी समाधान के लिए बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अवैध पार्किंग पर सख्ती बरती जाएगी। पंचायत ने स्पष्ट किया है कि सड़क सार्वजनिक संपत्ति है और इसे अवरुद्ध करने की अनुमति किसी को नहीं दी जाएगी।

उपायुक्त ने प्लांट का दौरा कर अधिकारियों से की बैठक

प्रधानमंत्री मोदी अप्रैल में आईएमटी खरखौदा में मारुति प्लांट का उद्घाटन करेंगे, तैयारियां शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अप्रैल में प्रस्तावित दौरे को लेकर उपायुक्त सुशील सारवान ने बुधवार को आईएमटी खरखौदा में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने मारुति प्लांट का दौरा करते हुए मारुति कंपनी के अधिकारियों के साथ भी बैठक की और सभी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने और प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सुचारू रूप से संचालित हों, इसके लिए प्रशासन एवं कंपनी प्रबंधन आपसी तालमेल बनाए रखें। इस मौके पर एसडीएम निर्मल नागर, पीडब्ल्यूडी से एक्सईएन प्रशांत कौशिक, बिजली विभाग से एक्सईएन अश्वनी कौशिक व प्लांट अधिकारी मौजूद रहे।

खरखौदा। आईएमटी का निरीक्षण करते उपायुक्त व अन्य अधिकारी।

कार्यक्रम स्थल, सुरक्षा प्रबंध व अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा

इस दौरान उपायुक्त ने संभावित कार्यक्रम स्थल, सुरक्षा प्रबंध, ट्रैफिक रूट प्लान, पार्किंग व्यवस्था सहित सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग अपने दायित्वों का निर्वहन गंभीरता एवं समन्वय के साथ सुनिश्चित करे, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं तय समय सीमा में पूर्ण कर ली जाएं और प्रत्येक अधिकारी स्वयं स्थल पर जाकर निरीक्षण करें।

आप किसी भी उम्र के हों, अगर आपके जोड़ों में दर्द, सूजन रहती है तो आपको जांच कराने में देर नहीं करनी चाहिए। ऐसा रूमेटॉइड आर्थराइटिस के कारण हो सकता है। सही समय पर टेस्ट और ट्रीटमेंट के जरिए इससे राहत मिल सकती है।

रूमेटॉइड आर्थराइटिस समय पर डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट है जरूरी

डिजीज
डॉ. अभिक बनर्जी
जोनल टेक्निकल चीफ
अपोलो डायग्नोस्टिक्स, कोलकाता

कई आंकड़ों से यह बात सामने आई है कि बहुत से लोग रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) जैसी गंभीर बीमारी के साथ चुपचाप जीवन जी रहे हैं। लगभग 50 प्रतिशत मरीज समय पर डॉक्टर के पास नहीं जाते। वे शुरुआती लक्षणों को अकसर तनाव, थकान या हल्का जोड़ों का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। यह समस्या अब युवाओं में भी देखी जा रही है, जिससे आगे चलकर जोड़ों को गंभीर नुकसान और विकलांगता हो सकती है।

कैसे होती है समस्या: रूमेटॉइड आर्थराइटिस, एक लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है। इसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता, अपने ही जोड़ों पर हमला करने लगती है। इससे जोड़ों में लगातार सूजन बनी रहती है और धीरे-धीरे जोड़ों को नुकसान पहुंचता है।

इस बीमारी के होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे परिवार में बीमारी का इतिहास, हार्मोन में बदलाव, धूम्रपान, ज्यादा तनाव और कुछ संक्रमण। आमतौर पर लोग सोचते हैं कि गठिया सिर्फ बढ़ती उम्र में होता है, लेकिन रूमेटॉइड आर्थराइटिस 20 से 30 साल की उम्र के लोगों को भी हो सकता है।

रोग के लक्षण: इस रोग के कॉमन लक्षण हैं जोड़ों में दर्द, सूजन, सुबह के समय जोड़ों में जकड़न, जल्दी थक जाना और कमजोरी महसूस होना। अगर समय पर जांच और इलाज न किया जाए, तो यह बीमारी जोड़ों की बनावट बिगाड़ सकती है। इसके अलावा यह फेफड़ों, दिल और आंखों जैसे शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इससे चलने-फिरने में परेशानी होती है, रोजमर्रा के काम करना मुश्किल हो जाता है, काम करने की क्षमता घटती है और जीवन की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि शुरुआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं, इसलिए लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। 20-30 साल के युवा और कामकाजी लोगों में रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

न करें इग्नोर: इस रोग से ग्रसित करीब 50 प्रतिशत लोग जोड़ों की जकड़न, दर्द या सूजन जैसे शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और तब डॉक्टर के पास जाते हैं, जब बीमारी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगती है। हर 10 में से लगभग 5 मरीज ऐसे होते हैं, जो बहुत देर से जांच के लिए आते हैं, जब तक जोड़ों को नुकसान शुरू हो चुका होता है। यह देरी आगे चलकर स्थायी जोड़ों की खराबी और लंबे समय की विकलांगता का कारण बन सकती है।

बहुत से मरीज इसलिए चुपचाप दर्द सहते रहते हैं क्योंकि उन्हें रूमेटॉइड आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण समझ में ही नहीं आते या वे डॉक्टर के पास जाने में देर कर देते हैं। खासकर युवा लोग यह मान लेते हैं कि जोड़ों का दर्द ज्यादा काम, तनाव या व्यायाम की कमी की वजह से है। लेकिन ऐसा सोचने से बीमारी बढ़ती जाती है और जोड़ों को ऐसा नुकसान हो जाता है, जिसे समय पर जांच और उपचार से रोका जा सकता था। रूमेटॉइड आर्थराइटिस को कंट्रोल करने के लिए जल्दी जांच कराना सबसे जरूरी है।

जांच के तरीके: आरए की जांच के लिए कुछ अहम जांचें की जाती हैं, जैसे रूमेटॉइड फैक्टर (आरएफ) और एंटी सीसीपी एंटीबॉडी टेस्ट, जो यह बताते हैं कि बीमारी ऑटोइम्यून है या नहीं। ईएसआर और सीआरपी जांच से शरीर में सूजन का स्तर पता चलता है। ब्लड की सामान्य जांच से शरीर की दूसरी समस्याओं का पता लगाया जाता है। इसके अलावा एक्सरे, अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन से जोड़ों में सूजन और शुरुआती नुकसान का पता चल जाता है। अगर समय पर जांच हो जाए, तो बीमारी को धीमा करने वाली दवाएं शुरू की जा सकती हैं। इससे दर्द कम होता है, बीमारी आगे नहीं बढ़ती और जोड़ों की काम करने की क्षमता बनी रहती है। नियमित जांच और स्कैन से इलाज को समय-समय पर बदला जा सकता है और बीमारी के दोबारा बढ़ने से बचा जा सकता है।

ट्रीटमेंट: इसके इलाज में ऐसी दवाएं दी जाती हैं, जो बीमारी को बढ़ने से रोकती हैं। इसके साथ फिजियोथेरेपी भी बहुत जरूरी होती है, जिससे जोड़ों की ताकत बनी रहती है। रोजाना हल्का व्यायाम, संतुलित आहार, तनाव को कम करना और धूम्रपान छोड़ना भी इलाज का अहम हिस्सा है। नियमित रूप से डॉक्टर से फॉलोअप कराने से बीमारी पर नजर रखी जा सकती है और जरूरत पड़ने पर इलाज बदला जा सकता है। *

प्रस्तुति: सेहत डेस्क

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. वैभव चतुर्वेदी
मनोचिकित्सक-कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

देश-दुनिया में आए दिन सुसाइड यानी आत्महत्याओं के मामले सामने आते रहते हैं। वैसे तो सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जाती है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से युवा वर्ग, खासकर स्टूडेंट्स में भी आत्महत्या के मामलों में इजाफा हुआ है, जो एक चिंताजनक और विचारणीय मुद्दा है। कुछ सुझावों पर अमल कर आत्मघाती प्रवृत्ति से बचाव किया जा सकता है।

सुसाइड के लगातार बढ़ते मामले सपोर्ट-ट्रीटमेंट से संभव है बचाव

वर्ल्ड साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार खुद की जान को खत्म कर देने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होना परिवार, समाज और सरकार इन तीनों के ही लिए अत्यंत गंभीर विचारणीय मुद्दा है। ऐसा इसलिए क्योंकि इतनी जानें तो दुनिया भर में प्रतिवर्ष होने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी घटनाओं में भी नहीं जाती हैं, जितनी लोग स्वयं गवां देते हैं। साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार, 'इस स्थिति को काफी हद तक कम किया जा सकता है, अगर हम आत्महत्या की तरफ बढ़ रहे लोगों को यह दिलासा दिला सकें कि हम तुम्हारे साथ हैं।'

एक प्रमुख कारण है डिप्रेशन

अवसाद (डिप्रेशन), आत्महत्या के एक बड़े कारण में शुमार है। बड़ी संख्या में लोग दुनिया भर में डिप्रेशन के कारण आत्महत्या करते हैं, ऐसा महर्षि यूरोपियन रिसर्च यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स द्वारा किए गए एक अध्ययन का आकलन है।

तनाव का हावी होना

यूरोपियन साइकिएट्रिक एसोसिएशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों के दिलो-दिमाग पर तनाव हावी हो जाता है और जो मनोचिकित्सक या विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर अमल नहीं करते, तो इस स्थिति में ऐसे लोग नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी दुनिया अंधेरे में जा चुकी है, जिससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इस तरह की मनोदशा कालांतर में आत्महत्या का कारण बन सकती है।

अन्य कारकों के दुष्प्रभाव: कुछ मनोरोग जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि के अलावा मादक पदार्थों की एक अरसे से जारी लत खुद की जान लेने के जोखिम को बढ़ा सकती है।

विफलता या भावनात्मक झटका: किसी क्षेत्र में असफल रहना और उस असफलता को बर्दाश्त न कर पाना भी आत्महत्या का कारण बन सकता है। वहीं संबंधों में विच्छेद से एक बड़ी संख्या में लोगों को भावनात्मक झटका लगता है, जिसे अनेक लोग सहन नहीं कर पाते। इसके अलावा पारिवारिक और व्यवसाय से संबंधित जिम्मेदारियों का बोझ और आर्थिक स्थिति का खराब होना आदि ऐसे कारण हैं, जो खुद की जान को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाते हैं।

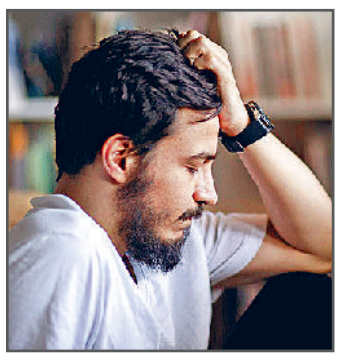

इन लक्षणों पर दें ध्यान

- अकेलापन पसंद करना, यह सोचना कि दुनिया में मेरा कोई नहीं है।
- किसी भी प्रकार के मेल-मिलाप से कतराना।
- दूसरों के समक्ष इस तरह की बातें करना कि अब जिंदगी जीने का मकसद नहीं रह गया है।
- किसी कारण के बगैर खुद को जोखिम में डालने वाले कार्य करना। जैसे लापरवाही से वाहन चलाना आदि।
- किसी की बात न सुनना-खुद में गुमशुम रहना।
- स्वभाव में अप्रत्याशित परिवर्तन जैसे जो व्यक्ति खुशमिजाज रहता हो, वह उदास रहने लगता है।
- ऐसे लोगों का मूड अकसर उदास रहता है।
- भूख कम लगना या समय पर खाना न खाना।
- नींद पूरी न ले पाना।
- आत्महत्या का प्रयास करने वाले कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो उपरोक्त संकेत नहीं देते और वे अपनी बात को मन में दबाए रखते हैं।

दूसरों की मदद लें

अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार दुनिया में मानसिक समस्याओं से पीड़ित लगभग 65 प्रतिशत से अधिक लोग दूसरों से मदद लेने में हिचकिचाते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर मैं किसी अन्य व्यक्ति को अपनी परेशानी बताऊंगा तो वे सब मेरी आलोचना करेंगे। ऐसे लोगों की गलत धारणा को दूर करने में मनोचिकित्सक काउंसलिंग का सहारा लेते हैं। इससे मन की नकारात्मकता दूर होती है।

बचाव के उपाय

- योगासन, प्राणायाम और विशेषकर ध्यान या मेडिटेशन मन की अशांति को दूर करने का एक सशक्त माध्यम हैं।
- विश्व प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल 'दि लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जो लोग समाज में मिलते-जुलते (सोशल इंटरएक्शन) रहते हैं और जिंदगी में रिश्तों को अहमियत देते हैं, उनमें आत्महत्या से संबंधित विचारों के पनपने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं।
- पीड़ित व्यक्ति को अकेला न छोड़ें।
- ईश्वर पर गहन विश्वास रखने से व्यक्ति में चिंताओं, तनावों और पीड़ाओं से लड़ने का माद्दा विकसित होने में मदद मिल सकती है। ऐसा विश्वास व्यक्ति को निराशावादी से आशावादी बना सकता है। जो व्यक्ति आशावादी है, वह आत्महत्या करने का प्रयास अपवाद स्वरूप ही करता है।
- कोई हॉबी विकसित करें। अगर आपकी संगीत में रुचि है तो इसके लिए कुछ समय निकालें।

इलाज के तरीके

अवसाद से प्रभावित ऐसे लोग, जो सुसाइडल सोच की ओर बढ़ रहे हैं, उन्हें इन उपचारों से ठीक कर सकते हैं।

साइकोथेरेपी: इसमें मनोचिकित्सक मरीज के साथ संवाद स्थापित करते हैं और उसके परिजनों को भी सुझाव देते हैं।

इलेक्ट्रो कंवल्सिव थेरेपी (ईसीटी): इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के अनुसार यह थेरेपी डिप्रेशन समेत अन्य मनोरोगों को दूर करने की एक विशिष्ट चिकित्सा विधि है, जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। इस विधि के अंतर्गत नियंत्रित विद्युत तरंगों के जरिए 'ब्रेन केमिस्ट्री' को प्रभावित किया जाता है। इसके जरिए मस्तिष्क में आने वाले आत्मघाती विचारों को सकारात्मक विचारों में तब्दील करने में मदद मिलती है।

एंटीडिप्रेसेंट टैबलेट्स: मनोचिकित्सक की सलाह के अनुसार रोगी को एंटीडिप्रेसेंट दवाई लेनी चाहिए। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

बच्चों-किशोरों पर पैरेंट्स दें ध्यान

इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के विशेषज्ञों के अनुसार अपने करियर को बनाने के चक्कर में पढ़ाई का दबाव और उस पर भी पैरेंट्स की अपने बच्चों से बड़ी-बड़ी उम्मीदें सजोना, किशोर और युवा वर्ग को तनावग्रस्त बनाता है। अगर उन्हें उनके मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती तो यह स्थिति कालांतर में डिप्रेशन और कुछ मनोरोगों के जरिए आत्महत्या का कारण बन सकती है। इसलिए पैरेंट्स को अपने बच्चों, खासकर किशोरों और युवाओं पर इस बात की नजर रखनी चाहिए कि उनके बच्चों के स्वभाव में नकारात्मक परिवर्तन तो नहीं हो रहे हैं। अगर ऐसा है, तो फिर उन्हें मनोचिकित्सक के पास जरूर ले जाएं।

हेल्थ सजेशन
रजनी अरोड़ा

अगर आप अपनी डेली लाइफ में कुछ बैड हैबिट्स से दूर रहें तो एजिंग प्रोसेस धीमी होगी। यानी लंबे समय तक आप यंग- एनर्जेटिक बने रहेंगे। इस बारे में आपके लिए बहुत यूजफुल इंफॉर्मेशंस।

अपनाएं ये अच्छी आदतें लंबे समय तक रहेंगे यंग

आज के दौर में मिड एज के ज्यादातर लोग अकसर लो फील करते हैं। दरअसल, जाने-अनजाने वे ऐसी कई आदतें डाल लेते हैं, जो उन्हें ओवरवेटेड, थका हुआ और लो एनर्जी वाला बना देती हैं। जिनकी वजह से अनचाहे ही बुढ़ापे का असर उन पर समय से पहले नजर आने लगता है।

अनहेल्दी डाइट हैबिट: बढ़ती उम्र के साथ व्यक्ति के शरीर का डायजेस्टिव सिस्टम कमजोर और शारीरिक गतिविधियां कम होने लगती हैं। इसकी वजह से हेल्दी रहने के लिए खान-पान में बदलाव लाना जरूरी हो जाता है। यानी युवावस्था में जहां देर-सवेर या जरूरत से ज्यादा खाना और अनहेल्दी या ऑयली फूड भी शरीर पचा लेता है। वहीं 40-45 साल की एज के बाद अकसर इसे नजरअंदाज किया जाता है, जो कई समस्याओं का कारण बन सकता है।

ऐसे में स्ट्रिक्ट डाइटिंग और खान-पान की आदतों में बदलाव लाना इसका सॉल्यूशन है। खाना बंद करने या भूखा रहने के बजाय संतुलित मात्रा में खाना जरूरी है। यानी अपनी डाइट में पोर्शन साइज थोड़ा-सा छोटा करें। हमेशा एक रोटी की भूख छोड़कर खाना खाएं। ओवर ईटिंग न करें। यथासंभव प्रोसेस्ड, जंक और ऑयली फूड्स से परहेज करें। प्रोटीन, कैल्शियम रिच डाइट ज्यादा से ज्यादा लें। लिक्विड कैलोरीज (मीठी चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, बियर या फ्रूट जूसेस) बिल्कुल बंद कर दें क्योंकि ये ब्लड में पहुंच कर शरीर में तेजी से अवशोषित हो जाते हैं और सेहत के लिए नुकसानदायक होते हैं।

भरपूर नींद न लेना: बढ़ती उम्र में देर रात तक जागना, पूरी नींद न सोने से अगला दिन बेकार ही नहीं हो जाता, सेहत को भी नुकसान पहुंचता है। बॉडी की एनर्जी लो हो जाती है, चिड़चिड़ापन या मूड स्विंग होते हैं, चाहकर भी काम पर फोकस नहीं कर पाते। रात में 6-7 घंटे की नींद न लेने पर बॉडी में फैट एक्यूमुलेशन दोगुना तेजी से बढ़ने लगता है। व्यक्ति अनचाहे ही मोटापे और उससे उपजी बीमारियों की गिरफ्त में आ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नींद को लेकर सजग रहें। अच्छी नींद के लिए सोते समय बेडरूम में एकदम अंधेरा करके सोएं। इससे मेलाटोनिन का रिसाव जल्दी होता है और व्यक्ति ज्यादा अच्छे से सो पाता है। टाइम पर बेड पर जाएं। कमरे को थोड़ा ठंडा रखें और सोने से कम-से-कम एक घंटा पहले स्क्रीन (चाहे वो टीवी हो या मोबाइल) बिल्कुल बंद कर दें।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करना: आज की युवा पीढ़ी फिटनेस-प्रेमी या जिम-फ्रीक है। ज्यादातर फिट रहने या बॉडी बिल्डिंग के लिए रेग्युलर जिम भी जाते हैं और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो, वेट बियरिंग जैसी एक्सरसाइज करते हैं। जबकि बढ़ती उम्र के व्यक्ति वॉक करने या कार्डियो एक्सरसाइज तक ही सिमट जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे उपयुक्त नहीं मानते क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करने पर शरीर में धीरे-धीरे मसल्स लॉस होना शुरू हो जाता है जिसका व्यक्ति को जल्द पता नहीं चल पाता। मसल्स दरअसल, व्यक्ति को केवल अच्छा फिगर या अच्छा लुक ही प्रदान नहीं करते, शरीर के सुरक्षा-कवच का भी काम करते हैं। जॉइंट्स को सपोर्ट देते हैं, मेटाबॉलिज्म को एक्टिवेट करते हैं और हार्मोन निर्माण में भी मदद करते हैं। रिसर्च से साबित हो गया है कि 40 साल की उम्र के बाद अगर व्यक्ति स्ट्रेंथ ट्रेनिंग नहीं करते तो हर साल उनका लगभग 1 प्रतिशत मसल्स लॉस होता है।

इससे बचने के लिए जरूरी है मिड एज के बाद भी रेग्युलर जिम जाएं और इंस्ट्रक्टर की निगरानी में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। जिम न जा पाने की स्थिति में हफ्ते में तीन-चार दिन बेसिक बॉडी वेट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जरूर करें जैसे-स्क्वेट्स, पुश-अप्स, पुल अप्स, रेजिस्टेंस बैंड्स। घर में मौजूद डंबल्स या वॉटर बोतल की मदद से भी आप एक्सरसाइज कर सकते हैं।

हार्मोनल असंतुलन को इग्नोर करना: मिड एज के बाद अकसर कई तरह की शारीरिक-मानसिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं। जिन्हें वे बढ़ती उम्र का असर मान लेते हैं। जैसे- वजन बढ़ना, हर वक्त थकान, काम में मन न लगना, अनियमित माहवारी, प्री-मेनोपॉज होना, सेक्स ड्राइव कम होना। मेडिकल साइंस इनके पीछे की वजह शरीर में मौजूद हार्मोनल असंतुलन को मानता है। हार्मोन असंतुलन होने पर शरीर का पूरा सिस्टम स्लो होने लगता है और कम उम्र में ही व्यक्ति पर असर दिखाई देने लगता है। जरूरी है उम्र से पहले आने वाले बदलावों पर गौर करें और हार्मोन असंतुलन को नजरअंदाज न करें। समय-समय पर हार्मोन लेवल चेक करवाएं। मेडिकल ट्रीटमेंट के अलावा लाइफस्टाइल में बदलाव करने पर हार्मोन-असंतुलन को काफी हद तक इंप्रूव किया जा सकता है।

विल पॉवर न रखना: मिड एज में व्यक्ति की जिंदगी में अकसर ठहराव-सा आ जाता है। व्यक्ति डिसिप्लिन और सिस्टेमेटिक लाइफस्टाइल से दूर होता जाता है। उन्हें किसी के मोटिवेशन का इंतजार ज्यादा रहता है। जिंदगी में स्वस्थ और सफल होने के लिए मोटिवेशन के बजाय डिसिप्लिन और सिस्टम्स बनाना जरूरी है। ऐसे सिस्टम्स बनाने की जरूरत है, जो व्यक्ति को स्वतः ही सही दिशा की तरफ जाने में मदद करें। जरूरी है कि रुटीन, सिस्टम और स्ट्रक्चर तय करें और उसके हिसाब से नियम बनाएं। *

अवेयरनेस
रेखा देशराज

यह सही है कि जड़ी-बूटियों का रिएक्शन तुलनात्मक रूप से कम होता है। लेकिन ये नुकसान करते ही नहीं, यह सोच गलत है। ऐसे में किसी भी जड़ी-बूटी का सेवन करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

सावधानी के साथ ही करें जड़ी-बूटियों का सेवन

हाल के सालों में प्राकृतिक दवाओं यानी जड़ी-बूटियों को लेकर आम लोगों में विश्वास बहुत ज्यादा बढ़ा है। लेकिन इस बढ़ते भरोसे के बीच सावधानी बरतना भी जरूरी है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में जड़ी-बूटियों और विभिन्न तरह के हर्बल उत्पादों का जो अंधाधुंध उपयोग शुरू हुआ है, उससे फायदे की जगह कई तरह के नुकसान भी सामने उभरकर आए हैं। दरअसल आम लोग जड़ी-बूटियों को हर हालत में सुरक्षित समझते हैं। इसलिए वो कई बार इनके जानकारों से भी यह राय लेना जरूरी नहीं समझते कि कौन-सी जड़ी-बूटी खानी चाहिए, कब खानी चाहिए और कैसे खानी चाहिए? ऐसे में ऐसी जड़ी-बूटियां जो आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं, कई बार उनसे भी नुकसान होते हुए देखने को मिलता है।

बिना सलाह के न करें सेवन: पहली बात तो यह गांठ बांध लें कि चाहे कोई भी चीज क्यों न हो, बिना उसके जानकार की राय लिए कभी नहीं खानी चाहिए। आजकल व्हाट्सएप, यू-ट्यूब और सोशल मीडिया में सभी विशेषज्ञ बनकर जो जानकारी देते रहते हैं, उससे भी इस तरह के नुकसान की आशंका बहुत बढ़ जाती है। यह समझना भी जरूरी है कि जिन जड़ी-बूटियों को हम केवल फायदे देने वाली समझते हैं, आखिर उनसे नुकसान कैसे हो जाता है? दरअसल, जड़ी-बूटियां पौधों से प्राप्त होती हैं, इसलिए इन्हें रासायनिक दवाओं की तुलना में ज्यादा कोमल माना जाता है। मगर हर कोमल चीज के डोज की भी एक लिमिट होती है। कई बार लोग जड़ी-बूटियों को नुकसान न पहुंचाने वाली समझकर इसके ओवर डोज का शिकार हो जाते हैं यानी इनकी सुरक्षित सीमा से ज्यादा का इस्तेमाल कर लेते हैं। इससे उल्टी, दस्त, सिरदर्द और चक्कर तो आते ही हैं, कई बार लीवर या किडनी भी फेल हो सकती है। इसलिए कभी-भी कोई जड़ी-बूटी तय डोज से ज्यादा न लें।

कई तरह की हो सकती हैं परेशानियां: सवाल है जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हुए किस-किस तरह की सावधानियां बरती जानी चाहिए, जिससे हम इनके नुकसान के जोखिम से बचे रहें? हो सकता है कि किसी विशेष जड़ी-बूटी से किसी व्यक्ति पर कोई प्रभाव न पड़ता हो और किसी को उससे एलर्जी हो जाए। ऐसे में जिसको एलर्जी होती है, उसके लिए यह जड़ी-बूटी त्वचा पर कई तरह के रैशेज डाल सकती है। उसे सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकती है या शरीर में सूजन हो सकती है। इसलिए जड़ी-बूटी का इस्तेमाल करते समय किसी जानकार की राय लेना जरूरी है, भले वह जड़ी-बूटी आपके परिवार में पहले किसी और के द्वारा इस्तेमाल की जाती रही हो और उसे इस तरह की कोई परेशानी न हुई हो। कई जड़ी-बूटियां पाचन सुधारने, प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करने और शरीर की सूजन कम करने में बहुत असरकारक मानी जाती हैं। लेकिन कई बार यही जड़ी-बूटियां किसी ऐसे व्यक्ति के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं, जो पहले अंग्रेजी दवाओं का इस्तेमाल कर रहा हो, क्योंकि ये जड़ी-बूटियां अंग्रेजी दवाओं के असर को बढ़ा या घटा भी सकती हैं।

तय समय तक करें सेवन: जड़ी-बूटी को लेकर आमतौर पर उनके दीर्घकालिक उपयोग की धारणा बनी हुई है। लगभग हर आदमी यह समझता है कि जड़ी-बूटियों को लंबे समय तक उपयोग किया जा सकता है, क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। पर यह बात सही नहीं है। विशेषकर गर्भावस्था और स्तनपान करा रही महिलाएं अगर इस तरह के भ्रम का शिकार हों और वे लंबे समय से ली जा रही जड़ी-बूटियों को इन विशेष स्थितियों में भी लगातार लेती रहें, तो इनसे परेशानी पैदा हो सकती है। *

खबर संक्षेप

सोनीपत। साउथ प्वाइंट स्कूल में सीईओ भावना कालरा व अन्य के साथ मां सरस्वती की वंदना करते विद्यार्थी।

मां सरस्वती का आशीर्वाद लेकर परीक्षा केंद्र के लिए छात्र रवाना

सोनीपत। सीबीएसई की कक्षा 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं प्रारंभ हो चुकी है। परीक्षा के महत्वपूर्ण पड़ाव पर साउथ प्वाइंट स्कूल में उत्साह, सकारात्मकता व श्रद्धा का माहौल नजर आया। परीक्षा केंद्र के लिए निकलने से पहले स्कूल परिसर में विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रार्थना सभा व पूजन का आयोजन किया गया। परीक्षा के तनाव को कम करने, विद्यार्थियों में आत्मविश्वास भरने के लिए स्कूल प्रबंधन व विद्यार्थियों ने मिलकर पूजा-अर्चना की।

छात्राओं को होम नर्सिंग मैनेजमेंट की दी ट्रेनिंग

सोनीपत। टीकाराम कन्या कालेज में बुधवार को वाईआरसी की 100 छात्राओं को फर्स्ट एड व होम नर्सिंग मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दी गई। जिलास्तरीय प्राथमिक चिकित्सा व्याख्यान में नीरज ने छात्राओं को ट्रेनिंग प्रदान की। इसके अलावा राष्ट्रपति शिक्षक अवॉर्डी एवं जिलास्तरीय फर्स्ट एड प्रशिक्षक सुनीता ढुल ने छात्राओं को ट्रेनिंग दी। प्राचार्य गीता ने प्रशिक्षकों का स्वागत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्राओं को फर्स्ट एड क्या होता हैं, यह कैसे दिया जाता है और सीपीआर संबंधी जानकारी दी।

बिना तपस्या के लक्ष्य की प्राप्ति असंभव : शास्त्री

सोनीपत। हंसवाहिनी महिला मंडल की ओर से जीवन नगर में श्री सिद्ध हनुमान मंदिर के सामने मैदान में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा एवं होली महोत्सव का बुधवार को तीसरा दिन रहा। कथाव्यास कैलाश चंद्र शास्त्री ने कर्मयोग व कठोर तपस्या की महत्ता का वर्णन किया। उन्होंने विदुर, ध्रुव, प्रहलाद, भरत व अजामिल की कथाओं का वर्णन कर प्रभु भक्ति व तपस्या में जीवन व्यतीत करने पर जोर दिया।

मानवता के पुजारी थे संत रामकृष्णः आजाद

गोहाना। बुधवार को महान संत स्वामी रामकृष्ण परमहंस को उनकी की 190वीं जयंती पर याद किया गया। यह श्रद्धांजलि समारोह पुरानी सब्जी मंडी के समीप स्थित शहीद मदनलाल धींगड़ा पार्क में सम्पन्न हुआ जिसमें नागरिकों ने रामकृष्ण परमहंस के चित्र पर पुष्प अर्पित करके नमन किया। मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा स्वामी रामकृष्ण परमहंस भारत के महान संत, विचारक एवं मानवीय मूल्यों के पोषक संत थे।

सबकी मनोकामना पूर्ण करते हैं बाबा श्याम : जैन

सोनीपत। निगम के निवर्तमान मेयर राजीव जैन ने कहा कि बाबा खाटू श्याम भगवान कृष्ण के अवतार हैं। निर्बल, क्षीण व हारे हुए मनुष्य को सहारा देने वाले बाबा श्याम सबकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। राजीव जैन श्री खाटू श्याम मंदिर बंदेपुर धाम की ओर से आयोजित संकीर्तन महोत्सव में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

प्रशासन का कारनामा : किलोहड़द के श्रीनिवास को कागजों में बना दिया करोड़पति

- शिकायतकर्ता ने बताया पहले गाड़ी का बनाया मालिक, त्रुटि ठीक करवाई तो फैमिली आईडी में चढ़ा दी 3.45 एकड़ जमीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

प्रॉपर्टी आईडी व फैमिली आईडी में त्रुटियों का दौर रूकने का नाम नहीं ले रहा है। प्रशासन का अब ऐसा कारनामा सामने आया है, जिसमें फैमिली आईडी अर्थात परिवार पहचान पत्र के माध्यम से गांव किलोहड़द के श्रीनिवास को करोड़पति बना दिया गया है। वहीं फरियादी अपनी फैमिली आईडी को ठीक करवाने के लिए बार-बार सरकारी बाबुओं के कार्यालय के चक्कर लगा रहा है। ऐसे में फैमिली आईडी में खामियों का मुद्दा रूकने के बजाय लोगों के जी का जंजाल बनता आ रहा है। लोगों को समाधान के बजाय केवल आश्वासन हाथ लग रहे हैं। गांव किलोहड़द निवासी श्रीनिवास का आरोप है कि फैमिली आईडी में पहले उनके नाम पर गाड़ी चढ़ा दी गई, जब उन्होंने शिकायत देकर कागजों में दर्ज गाड़ी संबंधी खामी को ठीक करवाया तो इसके बाद उनके नाम पर 3.45 एकड़ जमीन दर्ज कर दी गई, जबकि उनके पास केवल एक एकड़ जमीन है। ऐसे में शिकायतकर्ता बुधवार को जिला पार्षद संजय बड़वासनी के साथ अपनी शिकायत लेकर अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में पहुंचे। श्रीनिवास ने बताया कि फैमिली आईडी के माध्यम से लोगों के नाम जमीन व गाड़ियां चढ़ाकर उन्हें घर बैठे लखपति, करोड़पति बनाया जा रहा है, जबकि उनके पास आय का कोई साधन नहीं है। ऐसे में लोग बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की, कि उनकी समस्या का जल्द समाधान करवाया जाए।

- शिकायतकर्ता श्रीनिवास जिला पार्षद संजय बड़वासनी के साथ अपनी शिकायत लेकर अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय पहुंचा

सोनीपत। गोहाना रोड स्थित अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय के बाहर शिकायत दिखाते श्रीनिवास व जिला पार्षद संजय बड़वासनी। फोटो: हरिभूमि

सरकार से शिकायतकर्ता को जमीन मुहैया करवाने की मांग

जिला पार्षद संजय बड़वासनी ने कहा कि प्रशासन की ओर से प्रॉपर्टी व फैमिली आईडी की त्रुटियां ठीक करवाने के लिए वार्ड अनुसार शिविर लगाए गए हैं, लेकिन फिर भी लोग अपनी त्रुटियों को लेकर धक्के खाने को मजबूर हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री व प्रशासन से मांग की, कि जब श्रीनिवास की फैमिली आईडी में 3.45 एकड़ जमीन दर्ज की गई है तो सरकार इन्हें जमीन मुहैया करवाए। त्रुटियों का मामला यहां तक पहुंच चुका है कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की फैमिली आईडी में गाड़ियां दर्ज करने के साथ उनकी कई-कई लाख रुपये प्रति माह इनकम दिखाकर उन्हें लखपति बनाया जा रहा है।

फैमिली आईडी में त्रुटियों के नाम पर लोगों को परेशान करने का आरोप

जिला पार्षद ने बताया कि जिले में फैमिली आईडी में त्रुटियां दर्ज कर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। फैमिली आईडी में त्रुटियों के कारण लोगों के बीपीएल कार्ड काटे जा रहे हैं, इससे उनको मिलने वाला राशन बंद हो गया है। बच्चों को मिलने वाली सुविधाएं बंद हो रही है, बुढ़ापा पेंशन काटी जा रही है। लगातार फैमिली आईडी में इनकम ज्यादा चढ़ाकर आम आदमी को परेशान किया जा रहा है। समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर लगा रहे लोगों की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।

बारिश से गेहूं को संजीवनी, सरसों और गन्ना किसानों की बढ़ी चिंता

तापमान में गिरावट और नमी, तेज हवाओं की आशंका से किसान सतर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

पिछले कई दिनों से लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच बुधवार को हुई वर्षा ने जिले के किसानों को बड़ी राहत दी है। लंबे समय से साफ मौसम और बढ़ती गर्मी से परेशान किसानों के लिए यह वर्षा किसी संजीवनी से कम नहीं मानी जा रही है। वर्षा के चलते दिन के तापमान में करीब पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई, जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई और खेतों में नमी लौट आई। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वर्षा गेहूं की फसल के लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकती है, बशर्ते आगामी दिनों में मौसम संतुलित बना रहे और तेज हवाएं न चलें। पिछले कई दिनों से जिले में मौसम पूरी तरह साफ था और दिन का तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। दोपहर के समय गर्मी का असर साफ महसूस होने लगा था, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई थी। अधिक तापमान गेहूं की फसल के लिए नुकसानदायक माना जाता है, क्योंकि इससे पीला रतुआ जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है और फसल की बढ़वार पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ऐसे में बुधवार को हुई वर्षा ने तापमान को 22.3 डिग्री सेल्सियस तक गिरा दिया, जिससे किसानों ने राहत की सांस ली है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को सुबह और दिन में वर्षा हुई, जबकि शाम के समय बादल छाए रहे। आने वाले दिनों में मौसम साफ रहने की संभावना जताई जा रही है, हालांकि हल्की ठंडक बनी रह सकती है। यदि तापमान संतुलित रहता है और अधिक नमी नहीं बढ़ती है तो गेहूं की पैदावार बेहतर होने की उम्मीद है। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों ने वर्षा का स्वागत किया है और इसे फसल के लिए शुभ संकेत बताया है। कई किसानों का कहना है कि बढ़ती गर्मी के कारण गेहूं की फसल प्रभावित होने का डर था, लेकिन वर्षा ने उस चिंता को काफी हद तक दूर कर दिया है। हालांकि, सरसों और गन्ना किसानों ने मौसम को लेकर सतर्क रहने की बात कही है।

सोनीपत। बूंदाबांदी के चलते सोनीपत रेलवे स्टेशन पर हालात तथा बूंदाबांदी के चलते गीता भवन चौक के पास जलभराव। फोटो : हरिभूमि

गन्ना कटाई भी प्रभावित

वर्षा का एक और प्रभाव गन्ना किसानों पर भी पड़ा है। जिले में गन्ने की कटाई और छिलाई का कार्य इन दिनों तेजी से चल रहा था, लेकिन वर्षा के चलते यह कार्य प्रभावित हुआ है। खेतों में बढ़ी नमी के कारण श्रमिकों को काम करने में कठिनाई हो रही है, जिससे कटाई की गति धीमी हो गई है। इसका असर चीनी मिलों में गन्ना पेराई पर भी पड़ सकता है, क्योंकि समय पर गन्ना नहीं पहुंचने से मिलों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा वर्षा रबी फसलों के लिए सामान्य रूप से लाभकारी है, लेकिन किसानों को आगामी दिनों में मौसम की स्थिति पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यदि तेज हवाएं या ओलावृष्टि होती है तो फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए किसानों को खेतों में जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखने, फसलों की निगरानी करने और कृषि सलाह का पालन करने की सलाह दी गई है।

महत्वपूर्ण चरण में गेहूं की फसल, नमी जरूरी

जिले में इस बार लगभग 1.37 लाख एकड़ क्षेत्र में गेहूं की बुवाई की गई है। वर्तमान में गेहूं की फसल वृद्धि के महत्वपूर्ण चरण में है, जहां नमी और संतुलित तापमान उत्पादन के लिए बेहद आवश्यक होता है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय हल्की से मध्यम वर्षा फसल की जड़ों को मजबूती देती है और दाने बनने की प्रक्रिया को बेहतर बनाती है। खेतों में नमी बढ़ने से पौधों को आवश्यक पोषक तत्वों का अवशोषण करने में भी मदद मिलती है, जिससे उत्पादन में वृद्धि की संभावना रहती है। हालांकि, जिन किसानों ने हाल में ही सिंचाई की थी, उनके खेतों में कुछ स्थानों पर गेहूं की फसल बिछ गई है। बिछी हुई फसल को लेकर किसानों में चिंता जरूर है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वर्षा सामान्य रहती है और मौसम साफ हो जाता है तो ऐसी फसल में अधिक नुकसान नहीं होगा। धूप निकलने और हल्की हवा चलने से बिछी फसल धीरे-धीरे संभल सकती है और दानों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

सरसो के लिए चिंता का सबब

जहां गेहूं किसानों के लिए वर्षा राहत लेकर आई है, वहीं सरसों की फसल को लेकर चिंता बनी हुई है। जिले के कई क्षेत्रों में सरसों की फसल में बालियां आ चुकी हैं और यह अवस्था फसल के लिए बेहद संवेदनशील होती है। यदि वर्षा के साथ तेज हवाएं चलती हैं तो सरसों की फसल गिरने का खतरा बढ़ सकता है, जिससे उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। किसान मौसम के अगले कुछ दिनों के पूर्वानुमान पर नजर बनाए हुए हैं और खेतों की नियमित निगरानी कर रहे हैं।

प्रशिक्षण कार्यकर्ता को तराशने की प्रक्रियाः मोहनलाल बड़ौली

- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा प्रशिक्षण महाअभियान विकसित भारत, विकसित हरियाणा के संकल्प को करेगा सशक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत बुधवार को सेक्टर-7 स्थित भाजपा जिला कार्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ौली ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल उद्देश्य बताया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यकर्ता को तराशने की प्रक्रिया है, जो सीखता है, वही आगे बढ़ता है। हमें मंडल स्तर तक सशक्त, प्रशिक्षित व समर्पित कार्यकर्ता तैयार करना है। कार्यशाला में भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता, जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखें।

सोनीपत। जीवीएम कन्या महाविद्यालय में लगाए गए रोजगार मेले में भाग लेते कंपनी के प्रतिनिधि व युवा। फोटो : हरिभूमि

रोजगार मेले में 200 से अधिक को मिली नौकरी

सोनीपत। जिला रोजगार विभाग की ओर से जीवीएम कन्या महाविद्यालय के सहयोग से रोजगार मेला लगाया गया। मेले में विभिन्न क्षेत्रों की कुल 25 प्रतिष्ठित कंपनियों को आमंत्रित किया गया, ताकि जिले के अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें। जिला रोजगार अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि मेले में करीब 500 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चयन प्रक्रिया के दौरान 200 से अधिक अभ्यर्थियों का मौके पर ही चयन किया गया, जबकि अन्य अभ्यर्थियों को आगे की प्रक्रिया के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। युवाओं का उत्साह व सहभागिता सराहनीय रही। उन्होंने बताया कि मेले में साई सर्विस, फिम्स अस्पताल, एचडीएफसी, एलआईसी सोनीपत, पुखराज, कौशिक ऑर्थोपेडिक्स, टोरंटैक, लीटल एंजेल स्कूल, राई इंडस्ट्री एसोसिएशन, एक्सीस मक्स लाइफ इंश्योरेंस, कोरल सहित अन्य संस्थानों ने योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया। युवाओं की रुचि को देखते हुए निकट भविष्य में भी ऐसे रोजगार मेले लगाए जाएंगे, ताकि बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें। कार्यक्रम में जीवीएम संस्था के अध्यक्ष डॉ. ओपी परूथी, प्राचार्य डॉ. मंजुला, आंकड़ा सहायक सुमित कुमार व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

रुचिका विरमानी ने लाइफ स्किल्स एजुकेशन प्रशिक्षण में लिया भाग

- एनएसएस के माध्यम से नेतृत्व व संवेदनशीलता विषय पर दिया प्रभावी व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जीवीएम कन्या महाविद्यालय की एनएसएस इकाई की कार्यक्रम अधिकारी रुचिका विरमानी ने 9 से 13 फरवरी तक राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ की ओर से आयोजित ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स ऑन लाइफ स्किल्स एजुकेशन कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की। यह संस्थान केंद्रीय सरकार की ओर से मान्यता प्राप्त इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इम्पोर्टेंस है। वापस लौटने पर संस्था के प्रधान डॉ. ओपी परूथी व प्राचार्य डॉ. मंजुला स्पाह ने रुचिका विरमानी स्वागत कर उन्हें बधाई दी। रुचिका विरमानी ने बताया कि कार्यक्रम का संयोजन संस्थान के निदेशक डॉ. के गिरीशन ने किया, जबकि ट्रेनिंग एसोसिएट दीपक शर्मा ने प्रशिक्षण सत्रों का संचालन किया।

सोनीपत। जीवीएम कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. मंजुला स्पाह के साथ एनएसएस इकाई की कार्यक्रम अधिकारी रुचिका विरमानी।

आर्य समाज के उपप्रधान प्रताप सिंह शास्त्री का निधन

सोनीपत। शहर की काठ मंडी स्थित आर्य समाज की प्रबंध कार्यकारिणी के उपप्रधान प्रताप सिंह शास्त्री का निधन हो गया है। वह 82 वर्ष के थे और भैंसवाल गुरुकुल से स्नातक थे, जिन्होंने आदर्श अध्यापक के रूप में आजीवन आर्य समाज के प्रचार-प्रसार के लिए काम किया। उनके पौत्र निखिल ने उन्हें मुखाग्नि दी। प्रताप सिंह शास्त्री के निधन पर धर्मप्रकाश, कपिल देव, अरुण दहिया, प्राचार्य नरेंद्र सिंह सहित आर्य समाज की विभिन्न इकाइयों, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने गहरा शोक व्यक्त किया।

उप जिला शिक्षा अधिकारी सरिता खनगवाल सम्मानित

- विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा देकर उनको सभ्य नागरिक बनाना शिक्षक की जिम्मेवारी : सरिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शैक्षणिक खंड गोहाना, मुंडलाना और कथूरा के शिक्षकों ने बुधवार को जिला सोनीपत की उप जिला शिक्षा अधिकारी सरिता खनगवाल को सम्मानित किया। वे हाल ही में जिला रोहतक के शैक्षणिक खंड महम में खंड शिक्षा अधिकारी के पद से उप जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर पदोन्नत हुई थीं। सम्मान समारोह गोहाना के सेक्टर-7 स्थित शारीरिक शिक्षक देवेंद्र मान के निवास पर आयोजित हुआ। सरिता खनगवाल ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि एक शिक्षक होने के नाते एक शसक्त समाज की नींव रखना हमारा कर्तव्य है।

गोहाना। सरिता खनगवाल को पगड़ी बांधकर सम्मानित करते हुए शिक्षक।

ये रहे मौजूद

समारोह में हरियाणा शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश भावड़, राममेहर कुंडू, रणजीत सिंह, राजेश जागलान, प्रदीप चहल, ओमप्रकाश सांगवान, देवेन्द्र मान, सुनील दत्त, सुनील भावा, अनिल, संदीप मलिक और दलबीर खुंडिया ने उप जिला शिक्षा अधिकारी सरिता खनगवाल को पगड़ी बांधी और शॉल भेंट करके सम्मानित किया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी कथूरा लवल किशोर, प्राचार्य धर्मेंद्र खटक, नीलम व आरती चहल को भी शिक्षकों ने पुष्पगुच्छ भेंट किए।

गोहाना। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए वक्ता। फोटो : हरिभूमि

मनोस्थिति में बदलाव लाने शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन जरूरी

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विवि के शिक्षा विभाग में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के अंतर्गत प्रायोजित था। मुख्य वक्ता नवाचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण के निदेशक डा. विवेक शुक्ला ने कहा कि मनोस्थिति में बदलाव लाने के लिए शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन लाना जरूरी है। विद्यार्थी समग्र विकास की अपेक्षा क्षमता विकास पर बल पर ध्यान दें। एक अच्छा शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान और भाषा पर अधिकार होना अनिवार्य है। वक्ता डा. श्रुति शंकर गौर ने व्यवसाय और उद्यमिता के अंतर को बारीकी से समझाया। उद्यमिता के सफर की शुरुआत समस्या से होती है और नवाचारों के द्वारा उन समस्याओं का समाधान किया जाता है। मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. वरुणा तेहलान दहिया मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने भारत मंडपम में किया एआई समिट का भ्रमण

सोनीपत। हिंदू इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट का भ्रमण किया। समिट में भारत के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 20 स्कूल व कॉलेज के 2000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। समिट का आयोजन कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर मोनिका दुआ, अलका अग्रवाल, राजीव त्यागी की ओर से किया गया। समिट के दौरान टीसीएस के सीईओ ने छात्रों को आइडिया फ्लो एप तैयार करने की एक रचनात्मक गतिविधि करवाई। इसमें तीन प्रमुख विकल्प सामाजिक, पर्यावरण व लोग केंद्र में रखकर समाज के लिए उपयोगी समाधान प्रस्तुत करने को कहा। छात्रों ने विभिन्न नवाचारपूर्ण विचार प्रस्तुत करते हुए शिक्षा, डिजिटल जागरूकता बढ़ाने वाले एप, कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण, स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण से संबंधित विचार प्रस्तुत किए। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शिवानी ठाकुर ने बताया कि ऐसे शैक्षिक एक्सपोजर से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है, उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद मिलती है।

निरीक्षण डीसी के नेतृत्व में 8 टीमें गठित, औद्योगिक इकाइयों का किया निरीक्षण

जल प्रदूषण रोकने को प्रशासन ने चलाया विशेष निरीक्षण अभियान, नमूने किए एकत्रित

नियमों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

- निरीक्षण के दौरान टीमों ने ईटीपी, एसटीपी के इनपुट व आउटपुट से लिए जल के नमूने, परीक्षण के लिए एचएसपीसीबी की प्रयोगशाला भेजे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला में ड्रेन नंबर 6 व मुंगेशपुर ड्रेन के जल की खराब गुणवत्ता और औद्योगिक इकाइयों की ओर से संभावित रूप से अनुपचारित अपशिष्ट जल छोड़े जाने की आशंका को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने सख्त कदम उठाया। उपायुक्त सुशील सारवान के नेतृत्व में बुधवार को 8 टीमों का गठन कर जिले में एक दिन का विशेष औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया। इसके अलावा हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) के सदस्य सचिव, पंचकूला की ओर से अन्य जिलों से अतिरिक्त 5 फील्ड अधिकारियों की भी निरीक्षण में ड्यूटी लगाई गई, ताकि निरीक्षण कार्य प्रभावी ढंग से किया जा सके। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से चिन्हित 8 पॉकेट्स में यह अभियान चलाया गया।

सोनीपत। औद्योगिक इकाई में अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन के नेतृत्व में कार्रवाई करती गठित टीम तथा निरीक्षण के दौरान नमूना एकत्रित करती टीम।

अनदेखी बर्दाश्त नहीं

जल प्रदूषण की रोकथाम को गंभीरता से लेते हुए उद्योगों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान औद्योगिक इकाईयों की जांच की गई, पानी के नमूने लिए गए। उन नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा गया है। पर्यावरण मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य में भी ऐसे निरीक्षण अभियान निरंतर जारी रहेंगे। *-सुशील सारवान, उपायुक्त, सोनीपत*

खबर संक्षेप

अन्तर जिला तबादला नीति 2026 से शिक्षक परेशान

खरखोदा। राज्य सरकार की अन्तर जिला तबादला नीति 2026 के तहत जेबीटी शिक्षकों के तबादले कई शिक्षकों के लिए परेशानी का कारण बन गए हैं। प्रगतिशील अध्यापक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान नरेंद्र दहिया ने बताया कि नीति में महिला शिक्षकों को प्राथमिकता देने और अतिथि अध्यापकों की सीटों को खाली मानने की बात कही गई है, लेकिन वास्तविकता में अधिकांश जिलों में सीटें उपलब्ध नहीं दिख रही हैं।

सरकार से गोशाला में अनुदान राशि देने की मांग

गन्नौर। शहर की छोटी अनाज मंडी के निकट स्थित श्री गोशाला गन्नौर मंडी समिति की बैठक गोशाला परिसर में अध्यक्ष कृष्ण राठी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में गोवंश की संख्या, गोशाला की आर्थिक व्यवस्था, देनदारी-लेनदारी, गोवंश के लिए हरे चारे बाट की व्यवस्था पर भी विचार विमर्श किया गया। कृष्ण राठी ने बताया कि पिछले वर्ष मार्च के बाद से सरकार की तरफ से अनुदान राशि नहीं आई है। जिससे आर्थिक संकट झेलना पड़ सकता है।

एक ही दिन में चार लोगों ने फंदा लगाकर दी जान

चार जिंदगियां, चार हादसे फांसी में ढली तकदीरें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

परिवार, मजदूरी और अकेलेपन का दबाव नहीं झेल पाए

जिले में अलग-अलग क्षेत्रों से चार दर्दनाक घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें मानसिक तनाव, पारिवारिक दबाव, आर्थिक संघर्ष और अकेलेपन के बीच तीन लोगों ने फांसी का फंदा लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। ये घटनाएं न केवल कानून-व्यवस्था से जुड़े आंकड़ों तक सीमित हैं, बल्कि समाज के भीतर गहरे होते जा रहे मानसिक और सामाजिक संकट की ओर भी संकेत करती हैं। पहली घटना जिला जेल परिसर स्थित क्वार्टर की है, जहां जेल वार्डन के 18 वर्षीय बेटे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दूसरी घटना में एक फैक्ट्री में काम करने आए युवा श्रमिक ने गोदाम में फंदा लगा लिया। अन्य घटना मुरथल थाना क्षेत्र के गांव भिगान की है, जहां किराये पर रहने वाले एक मजदूर ने अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। वहीं चौथी घटना में 19 वर्षीय युवक प्रिंस ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सभी घटनाएं अलग-अलग पृष्ठभूमि की हैं, लेकिन इनमें एक समान कड़ी मानसिक और सामाजिक दबाव की दिखाई देती है।

केस 1

गांव बागडू में फैक्ट्री श्रमिक ने लगाया फंदा

जिले के गांव बागडू से सामने आई, जहां एक फैक्ट्री में काम करने वाले युवा श्रमिक ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान रोहित (20) निवासी शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार रोहित पिछले सप्ताह ही काम की तलाश में अपने भाई रामू के पास आया था। भाई ने उसे अपने क्षेत्र के एक युवक के पास छोड़ दिया, जिसके बाद रोहित गांव बागडू स्थित एक फैक्ट्री में रहने लगा। यह फैक्ट्री 14 फरवरी को ही शुरू हुई थी, जहां प्लास्टिक दाना तैयार किया जाता है। बताया गया है कि रोहित फैक्ट्री के गोदाम में ही रहता था। किसी कारणवश उसने गोदाम में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। घटना की सूचना मिलने पर थाना सदर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि अभी तक आत्महत्या के पीछे स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है।

केस 2

जेल वार्डन के बेटे की आत्महत्या से शोक

सबसे संवेदनशील और चौंकाने वाली घटना जिला जेल परिसर स्थित क्वार्टर में सामने आई, जहां जेल वार्डन के बेटे ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक कमल 18 वर्ष का था और 12वीं कक्षा का छात्र था। परिजनों और आसपास के लोगों के अनुसार वह पढ़ाई के दौरान मानसिक तनाव में रहता था। जिला सिरसा के गांव तेजाखेड़ा निवासी संदीप कुमार जिला कारागार में जेल वार्डन के पद पर तैनात हैं और अपने परिवार के साथ जेल परिसर में बने सरकारी क्वार्टर में रहते हैं। कुछ दिन पहले उनकी मां का निधन हो गया था और वह पत्नी के साथ मां की तेरहवीं में शामिल होने के लिए पैतृक गांव गए हुए थे। सोमवार को तेरहवीं संपन्न हुई थी और वे घर लौटने वाले थे। इस दौरान उनके बेटे कमल और बेटी क्वार्टर पर ही थे। सोमवार रात कमल ने अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। सुबह जब उसकी बड़ी बहन जागी तो उसने भाई को कमरे में फंदे पर लटका हुआ देखा और तुरंत शोर मचाया।

केस 3

भिगान गांव में किरायेदार ने लगाई फांसी

मुरथल थाना क्षेत्र के गांव भिगान से सामने आई, जहां किराये पर रहने वाले एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान श्यामसुंदर पासवान निवासी किदवई नगर, गाजीपुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। श्यामसुंदर भिगान के पास स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था और गांव में किराये के कमरे में अकेले रहता था। वह दो बच्चों का पिता था और परिवार से दूर रहकर मजदूरी करता था। घटना उस समय सामने आई जब मकान मालिक ने उसे कमरे में फंदे पर लटका हुआ देखा। मकान मालिक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर मुरथल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। पुलिस के अनुसार फिलहाल आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मृतक किसी प्रकार के मानसिक तनाव, पारिवारिक परेशानी या आर्थिक दबाव में तो नहीं था।

केस 4

सनपेड़ा में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

गन्नौर। गांव सनपेड़ा में 19 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार सनपेड़ा गांव निवासी प्रिंस कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान बताया जा रहा था। मंगलवार शाम उसके पिता कृष्ण किसी काम से बाहर गए हुए थे, जबकि दादा मंदिर गए थे। इसी दौरान प्रिंस ने घर के एक कमरे में खुद को बंद कर लिया और फांसी का फंदा लगा लिया। शाम को पिता के घर लौटने पर कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। आवाज लगाने के बावजूद दरवाजा नहीं खुला तो घरवालों ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर देखा तो प्रिंस फंदे पर लटका हुआ था। इसकी सूचना तुरंत थाना बड़ी पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव को स्वजनों को सौंप दिया गया।

भाजपा का मूल मंत्र 'संगठन ही शक्ति' : मोहनलाल

राई। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली उपस्थित रहे। कार्यशाला में जिलेभर से आए पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, बूथ स्तर के कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। अपने संबोधन में बडोली ने कहा कि यह प्रशिक्षण महाअभियान राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार पूरे देश में चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र "संगठन ही शक्ति है" और संगठन की मजबूती व्यक्ति निर्माण से ही संभव है। 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा स्थापित जनसंघ की विचारधारा आज भी पार्टी की आधारशिला है। हरियाणा में नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार सुशासन के साथ कार्य कर रही है। जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज ने प्रशिक्षण अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रत्येक मंडल और बूथ स्तर तक प्रशिक्षित कार्यकर्ता तैयार करना लक्ष्य है। इस अवसर पर सोनीपत प्रभारी सतीश नांदल, प्रदेश महामंत्री अर्चना गुप्ता, विधायक पवन खरखोदा, पूर्व मेयर राजीव जैन, देवेंद्र कौशिक, पूर्व मंत्री अनिल ठक्कर, आजाद सिंह नेहरा, महिला जिला अध्यक्ष मोनिका दहिया, जिला महामंत्री तरुण देवदास, सुमित्रा चौहान, सोनिया मोर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोकतंत्र में जनता की आवाज सर्वोपरि : : सतपाल

गन्नौर। कांग्रेस सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर कई सवाल खड़े करते हुए कहा कि प्रदेश में दिन प्रतिदिन अपराध बढ़ रहा है। जनता से वायदे कर सत्ता में आई भाजपा को जनता के सरोकारों से कोई लेना देना नहीं। सांसद ने कहा कि आमजन से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। वे गन्नौर से कांग्रेस नेता भगवत दयाल कौशिक के यहां समारोह में शिरकत करने के बाद पत्रकारवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सर्वोपरि है और जनहित के मामलों में पारदर्शिता जरूरी है। कांग्रेस पार्टी हमेशा आम लोगों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी मजबूती से आवाज उठाती रहेगी इसके अलावा समारोह में भाजपा के पूर्व सांसद रमेश कौशिक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता धर्मपाल मलिक, हरिद्वार से निगम पार्षद महावीर शर्मा गन्नौर नगर पालिका अध्यक्ष अरुण त्यागी आदि ने भी शिरकत की।

समाज कल्याण स्कूल में छात्रों ने सीनियर विद्यार्थियों को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

समाज कल्याण वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बजाना कलां, सोनीपत में बुधवार को जूनियर छात्रों ने सीनियर के विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में किया गया। समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कनिष्ठ कक्षाओं के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। नृत्य, समूह गीत और मनोरंजक कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीषा कादियान ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कई छात्र-छात्राएं भावुक नजर आए और उन्होंने अपने साथियों के साथ बिताए पलों को याद किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं विभिन्न उपाधियों से सम्मानित किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

लक्की मेहता बनी ड्रीम मेकर्स एनजीओ महिला टीम की अध्यक्ष

गोहाना। एनजीओ ड्रीम मेकर्स ने लक्की मेहता को गोहाना महिला टीम की अध्यक्ष नियुक्त किया है। वे एक कोरियोग्राफर के साथ एनजीओ की राष्ट्रीय कल्चर हैड भी हैं। लक्की ने कहा कि संस्था द्वारा दी गई जिम्मेवारी को ईमानदारी और निष्ठा के साथ पूरा करेंगी और जल्द ही मिशन पाठशाला, नेशनल सुपर वूमेन अवॉर्ड 2026 व हुनर स्किल सेंटर जैसी योजनाओ पर काम किया जाएगा। एनजीओ ड्रीम मेकर्स पिछले कई वर्षों से विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में कार्यरत व मुख्यत बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को समर्पित एक प्रसिद्ध संस्था है। एनजीओ द्वारा अपनी गोहाना महिला इकाई संगठन की मजबूती के लिए लक्की मेहता को महिला टीम की अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति एनजीओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत लूथरा द्वारा की गई। लूथरा के अनुसार 13 वर्ष पहले गोहाना से आरम्भ हुई ड्रीम मेकर्स एनजीओ आज अपने पदाधिकारियो व सदस्यों के माध्यम से देश के 50 से भी अधिक शहरों में कार्यरत है।

शिवा शिक्षा सदन की सान्वी, निशांत और प्राची ने जेईई मेन्स में हासिल की सफलता

- सान्वी त्यागी ने 96 .52 प्रतिशत, निशांत दहिया ने 93 .35 प्रतिशत, प्राची ने 88 .25 प्रतिशत अंक अर्जित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सान्वी त्यागी।

निशांत दहिया।

शिवा शिक्षा सदन विद्यालय के कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने देश की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा जेईई मेन्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर न केवल अपने परिवार, बल्कि विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन, सतत परिश्रम व सकारात्मक सोच के साथ किसी भी कठिन लक्ष्य को भी प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय की मेधावी छात्रा सान्वी त्यागी ने 96.52 प्रतिशत, छात्र निशांत दहिया ने 93.35 प्रतिशत व छात्रा प्राची ने 88.25 प्रतिशत अंक अर्जित कर जेईई मेन्स परीक्षा उत्तीर्ण की। यह परिणाम उनकी वर्षों की कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास व निरंतर अभ्यास का सशक्त प्रमाण है। विद्यार्थियों ने बताया कि इस उल्लेखनीय सफलता के पीछे विद्यालय की ओर से प्रारंभ किए गए विशेष शैक्षणिक सहयोग कार्यक्रम क्यूएंडआई की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को विषय-विशेषज्ञों की ओर से प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सुनियोजित अध्ययन सामग्री, नियमित अभ्यास सत्र, संदेह-निवारण कक्षाएं, व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिससे उनकी तैयारी को नई दिशा व गति मिली।

जिला नगर योजनाकार विभाग की कार्रवाई पर खानापूर्ति का आरोप

गन्नौर। जीटी रोड के साथ लगते बाये रोड पर विकसित की जा रही अवैध कालोनी में जिला नगर योजनाकार विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए निर्माण कार्य ध्वस्त कर दिया। टीम ने मौके पर पहुंचकर प्लाटों की डाली गई नींव और अन्य निर्माण को जेसीबी से गिरा दिया। बाये रोड पर कृषि योग्य भूमि पर कालोनाइजरों द्वारा प्लाट काटने की तैयारी की जा रही थी। कई प्लाटों की नींव भी भर दी गई थी। मामले की शिकायत गढ़ी केसरी निवासी उमेश ने जिला नगर योजनाकार विभाग को दी थी। शिकायत के आधार पर विभागीय टीम ने मौके का निरीक्षण कर कार्रवाई की। हालांकि शिकायतकर्ता उमेश का आरोप है कि विभाग ने कालोनी को पूरी तरह से ध्वस्त नहीं किया। उनका कहना है कि कुछ हिस्से को छोड़ दिया गया है। उन्होंने इस संबंध में सीएम विंडो पर भी शिकायत दर्ज कराई है। उमेश ने आरोप लगाया कि कालोनाइजर कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग कर लोगों को बेचने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन बाद में यहां कोई भी विभागीय सुविधाएं नहीं मिलती, जिससे खरीदारों को भविष्य में नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि अवैध कालोनी पर ठोस और पूरी कार्रवाई की जाए, ताकि लोगों को आर्थिक हानि से बचाया जा सके।

महामंत्री फणींद्रनाथ ने पार्टी कार्यकर्ताओं को किया प्रशिक्षित

गोहाना। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा ने कहा कि भाजपा राष्ट्र प्रथम की नीति पर काम करती है। पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को भी पार्टी की इसी सोच पर आगे बढना चाहिए। वे बुधवार को सेक्टर-7 स्थित सामुदायिक भवन में पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला गोहाना प्रभारी डॉ. किरण कलकल और बरोदा विधानसभा से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान रहे। अध्यक्षता भाजपा जिला गोहाना के अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने की और संयोजन जितेंद्र शर्मा, डॉ. रमेश कश्यप और किरण सैनी का रहा। वर्ग गीत गाकर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई। प्रदेश संगठन मंत्री फणींद्रनाथ शर्मा ने के अनुसार मंडल स्तर प्रशिक्षण महा अभियान 7 मार्च से 14 अप्रैल तक चलेगा।

डॉ. श्रॉफ आई सेंटर का आगाज : मुफ्त जांच के साथ होंगे मोतियाबिंद के फ्री ऑपरेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

- गन्नौर में विजन सेंटर खुलना किसी वरदान से कम नहीं, जरूरतमंद लोगों को मिलेगा फायदा : कादियान

जीटी रोड स्थित जैन कॉलेज परिसर में संचालित सौरभांचल चैरिटेबल हॉस्पिटल में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करते हुए बुधवार को डॉ. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल, दरियागंज के नए नेत्र जांच केंद्र का शुभारंभ किया गया। केंद्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जैन और मन्नत ग्रुप ऑफ होटल्स के एमडी व विधायक अनुज समाजसेवी वीरेंद्र कादियान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जैन संस्था के प्रधान आनंद जैन ने की। समाजसेवी वीरेंद्र कादियान ने कहा, गन्नौर के गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए यह विजन सेंटर किसी वरदान से कम नहीं है। इस दौरान पुष्पेंद्र जैन, अंकित मल्होत्रा, प्राचार्य भूषण भाटिया, अजय त्यागी, भावना जाग्या, संदीप सिंघल, प्रवीन सिंघल, विनय जैन, जतिन जैन, सुरेंद्र जैन, बिजेंद्र जैन, अनिल जैन, नरेंद्र भूटानी और सरपंच जसबीर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। डॉ. श्रॉफ हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. शालिंद्र सबरवाल ने बताया कि संस्थान के देशभर में 115 से ज्यादा सेंटर हैं। गन्नौर सेंटर पर रोजाना सुबह 9 से शाम 5 बजे तक ओपीडी रहेगी। उद्घाटन के पहले ही दिन 115 मरीजों की जांच की गई, जिनमें से 24 लोगों का मोतियाबिंद का मुफ्त ऑपरेशन कराया जाएगा।

जेईई मेन्स : प्रथम प्रयास में चमका मोई का दिव्यांश राणा, 99.2 अंक किए प्राप्त

सोनीपत। जिले के गांव मोई निवासी दिव्यांश राणा ने जेईई मेन्स की परीक्षा में अपने प्रथम प्रयास में ही 99.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ग्रामीण पृष्ठभूमि का लोहा मनवाया है। जेईई मेन्स में यह स्कोर लाना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

दिव्यांश ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय माता-पिता के सहयोग, अध्यापकों के मार्गदर्शन को दिया है। उन्होंने बताया कि इस मुकाम पर पहुंचने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की। उनका यह स्कोर प्रतिदिन 12-13 घंटे के सतत अभ्यास का परिणाम है। तैयारी के दौरान उसे कई बार दिमागी दबाव का सामना भी करना पड़ा, लेकिन बार-बार के अभ्यास ने उनके इस दबाव को अपने आप काबू किया, आत्मविश्वास बढ़ता चला गया। दिव्यांश ने बताया कि इस सफर में उनके शिक्षक ही उनका सबसे बड़ा सहारा बने। स्कूल के साथ-साथ दिव्यांश ने सांय के समय एक संस्थान से प्रशिक्षण का सहारा भी लिया, जहां से उसने फिजिक्स, कैमिस्ट्री, मैथेमेटिक्स के लिए पेपर में समय का समायोजन कैसे किया जाए, बारे में बखूबी समझा व सीखा। ऑनलाइन शिक्षण के बारे में उन्होंने बताया कि यह एक सपोर्ट सिस्टम के तौर पर तो कार्य करता है, लेकिन किताबों का कोई अल्टर्नेटिव नहीं है। आपको एनसीआरटी की किताबों पर ही फोक्स रखना होगा, तभी आपको सफलता मिलेगी, क्योंकि आपके कन्सैप्ट तो किताबों से ही क्लीयर होंगें। ऐसे में आपको ज्यादा से ज्यादा समय अपनी किताबों के साथ लगाना जरुरी है। दिव्यांश ने बताया कि यह तो अभी सेमिफाइनल है, असली मुकाबला तो जेईई एडवांस की परीक्षा में होगा, वहीं से आगे के आईआईटी कॉलेज का रास्ता निकलेगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

सफलता मौसम में अचानक हुए बदलाव के कारण विद्यार्थियों को केंद्रों पर पहुंचने में झेलनी पड़ी परेशानी

सीबीएसई : हल्की बारिश के बीच केंद्रों पर परीक्षा देने पहुंचे विद्यार्थी, मुस्कुराहट के साथ आए बाहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। सेक्टर-15 में बनाए गए केंद्र पर परीक्षा देकर बाहर आते विद्यार्थी।

केंद्रीय माध्यमिक विद्यालय शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से बुधवार को कक्षा 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का दूसरा दिन रहा। जिला में बनाए गए 33 केंद्रों पर कक्षा 10वीं का गृह विज्ञान व कक्षा 12वीं के शारीरिक शिक्षा विषय की परीक्षा हुई। विद्यार्थी बुधवार को सुबह केंद्रों पर हल्की बारिश के बीच भीगते हुए परीक्षा देने पहुंचे। इसके बाद परीक्षा संपन्न होने पर बारिश की रिमझिम जारी रही। सभी केंद्रों पर विद्यार्थियों ने कड़ी मॉनिटरिंग व सीसीटीवी की निगरानी में पेपर दिया। पेपर देकर परीक्षा केंद्र से बाहर निकले विद्यार्थियों के चेहरे खिले नजर आए। मौसम में अचानक हुए बदलाव के कारण विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने में परेशानी झेलनी पड़ी। सभी केंद्रों पर सुबह 10:30 बजे परीक्षा प्रारंभ हुई, दोपहर 1:30 बजे पेपर खत्म होने के बाद भी विद्यार्थी बारिश के बीच भीगते हुए अपने घरों की तरफ रवाना हुए। हालांकि इस दौरान परीक्षा देकर केंद्र से बाहर आए विद्यार्थियों के चेहरे पर मुस्कुराहट नजर आए। इससे पहले सीबीएसई की हिदायतों के अनुसार विद्यार्थी आधा घंटा पहले परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। कुछ विद्यार्थी अपने अभिभावकों तो कई शिक्षकों के साथ केंद्रों पर पहुंचे। बारिश के बीच केंद्रों के बाहर भीड़भाड़ भरा माहौल रहा। केंद्रों के गेट पर कड़ी जांच के बाद विद्यार्थियों को अंदर जाने की अनुमति दी गई। शहर के सेक्टर-14 व 15 में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर पेपर देकर लौटे विद्यार्थियों ने बताया कि उन्हें प्रश्नपत्र आसान लगा। कई विद्यार्थियों ने तय समय के अंदर अपना पेपर पूरा कर लिया था। अब वह अगले विषयों के पेपर की तैयारी पर ध्यान देंगे। इस वर्ष सीबीएसई ने सोनीपत में कक्षा 10वीं व 12वीं के करीब 20800 विद्यार्थियों के लिए 33 परीक्षा केंद्रों बनाए हैं। इनमें विद्यार्थियों की सुविधा के लिए क्षेत्र अनुसार आसपास 3 नए परीक्षा केंद्र भी बनाए गए हैं। परीक्षा को लेकर केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षाएं संचालित की जा रही हैं।

सुरक्षा के रहे पुख्ता प्रबंध

सभी परीक्षा केंद्रों पर दूसरे दिन भी शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न हुई। किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। बारिश के चलते सभी केंद्र सुपरवाइजर को निर्देश दिए गए थे कि अगर कोई विद्यार्थी देरी से केंद्रों पर पहुंचता हैं तो उसे प्रवेश दिया जाए। केंद्रों पर सुरक्षा के मध्यनजर सीसीटीवी के अलावा पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया है।
-प्रेम कुमार ओझा, जिला समन्वयक, सीबीएसई, सोनीपत